भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 657
सोमवार, 29 जुलाई, 2024 ((श्रावण 7,1946, (शक))) को दिया जाने वाला उत्तर

विमानों के लिए पार्किंग शुल्क

657. #श्री नीरज डांगी:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या सरकार आईजीआई एयरपोर्ट पर डायल पार्किंग में खड़े विमानों के लिए शुल्क बढ़ाने पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो उन विमानों का विमान-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) वर्तमान में एयरपोर्ट पर विमान के लिए पार्किंग स्टैंड की संख्या कितनी है; और

(घ) क्या सरकार इन स्टैंडों की संख्या बढ़ाने पर भी कोई विचार कर रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): भारत सरकार ने प्रमुख हवाईअड्डों पर प्रदान की जाने वाली वैमानिकी सेवा के लिए टैरिफ निर्धारित करने हेतु ऐरा अधिनियम, 2008 के अंतर्गत वर्ष 2009 में एक स्वतंत्र आर्थिक टैरिफ विनियामक अर्थात भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण (ऐरा) की स्थापना की है। ऐरा सभी प्रमुख हवाईअड्डों के वैमानिकी प्रभार जैसे उपयोगकर्ता विकास प्रभार (यूडीएफ), लैंडिंग और पार्किंग शुल्क आदि निर्धारित करता है।

ऐरा ने दिनांक 30.12.2020 के टैरिफ आदेश के अंतर्गत दिनांक 01.04.2019 से 31.03.2024 तक तीसरी नियंत्रण अवधि के लिए आईजीआई हवाईअड्डे, दिल्ली के वैमानिकी टैरिफ का निर्धारण किया था, जिसमें आईजीआई हवाईअड्डे पर पार्क किए गए विमानों के लिए पार्किंग प्रभार की दरें शामिल हैं। इन प्रभारों को ऐरा द्वारा दिनांक 15.03.2024 के टैरिफ आदेश के अंतर्गत दिनांक 30.09.2024 तक बढ़ा दिया गया है। इसलिए, आज की तारीख में आईजीआई हवाईअड्डे पर पार्क किए गए विमानों के लिए प्रभार वही है जो उपर्युक्त टैरिफ आदेशों के अंतर्गत ऐरा द्वारा तय किया और बढ़ाया गया है।

(ग) और (घ): हाल ही में, दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल), जो आईजीआई हवाईअड्डा, दिल्ली का प्रचालक है, ने मौजूदा एप्रन का विस्तार कार्य पूरा कर लिया है। इस विस्तार के पश्चात आईजीआई हवाईअड्डे (सामान्य विमानन एप्रन को छोड़कर) पर विमान पार्किंग स्टैंड का विवरण इस प्रकार है:

मल्टीपल एप्रन रैंप सिस्टम (एमएआरएस) को दो कोड-सी स्टैंड के रूप में मानते हुए मौजूदा एप्रन में अब 240 बे हैं, या प्रत्येक एमएआरएस स्टैंड को एक कोड-ई/एफ स्टैंड के रूप में मानते हुए 210 बे हैं।

******